•

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 3 ग्रप्रेल, 1995

नमांक 656-ज-2-95/4548:--श्री मुख राम, पुत्र श्री उमराव, निवासी गांव रसूलपुर तहसील व जिला महेंद्रगढ़ की पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुरकार ऋिश्वम, 1948 की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के झधीन सरकार की श्रधिसूचना त्रमांक 177-ज-1-77/6609, दिनांक 11 मार्च, 1977 द्वारा 150 रूपवे दाणिक और उसके बाद झिसूचना त्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 अवस्वप, 1979 द्वारा 150 रूपवे से बढ़ा कर 300 रूपवे वाणिक की दर से जागीर मंजर की गई थी।

2. अब श्री मुख्यान को दिनांक 16 मई, 1990 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री सुखराम को विधवा श्रीमित् सरती देवी के नाम खरीफ 1990 से 300 रुपये वार्षिक तथा रवी, 1993 से 1000 स्पये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतौं के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

दिनांक 4 अप्रैंल, 1995

त्रमांक 888-ज-1]- 95/4657. श्री सृष्टू राम, पुत्र श्री उदे चन्द, निवासी गांव मोखरा, तहसील रोहतक (अब महम), जिला रोहतक को पूर्वी पंजाय युद्ध पुरूस्कार मधिनियम, 1948 की घारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 1673-ज-II-77/25293, दिनांक 7 मनतूबर, 1977 द्वारा 150 स्पये वार्षिक श्रीर उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 द्वारा 150 स्पये से बढ़ाकर 300 रूपये वार्षिक की देर से जागीर मंजुर की गई थी।

2. प्रबंशी सुण्डु राम की दिनांक 18 प्रगस्त, 1993 को हुई मृत्यु के प्युणाम स्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल उपरोक्त अधिनियम (जैंसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रपनाया गया है और उसमें ब्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के ब्रधीन प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री सुण्डु राम की विधवा श्रीमिति धन कौर के नाम रवी, 1993 से 1000 इपये वाषिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

दिनांक 10 ग्रप्नेंल, 1995

त्रमांक 889-ज-2-95 5075.-- श्री गुरनाम सिंह, पुत्र श्री माल सिंह, निवासी गांव बाखली, तहस्रील पेहवा जिला कुरुक्षेत्र की पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार श्रीधिन्यम, 1948 की धारा 2(ए) (१ए) तथा 3(१ए) के ग्रधीन सरकार की ग्रीधिसूचना त्रमांक 971- ज-I-83 27939, दिनांक 9 सितम्बर, 1983 द्वारा 100 रुपये वार्षिक श्रीर बाद में ग्रीधिसूचना त्रमांक 5041-श्रार-III-70 29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये वार्षिक श्रीर उसके बाद ग्रीधिसूचना त्रमांक 1789-ज-I-79 44040, दिनांक 30 श्रक्तुबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मन्जूर की गई थी।

2. ग्रब श्री युरनाम सिह की दिनांक 20 मार्च, 1993 की हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त ग्रिधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रपनाया गया है ग्रीर उसमें न्नाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के ग्रधीन प्रदान की गई ग्राक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री गुरनाम सिह की विधवा श्रीमित धमकौर के नाम रवी, 1993 से 1000 रूपये वाधिक की दर से सनद में दी गई शती के श्रन्तर्गत तबदील करते हैं।

त्रमांक 890-ज-2-95/5079.--श्री भाग सिंह पुत्र श्री काला सिंह निवासी गांव वाखनी, तहसील पेहवा, जिला कुरुक्षेत्र को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार अधिनियम, 1948 की धारा 2(ए) (१ए) तथा 3(१ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना त्रमांक 231-ज-[-83/9550, दिनांक 17 मार्च, 1983 द्वारा 150 स्पये वाधिक और उसके बाद अधिसूचना त्रमांक 1789-ज-[-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 द्वारा 150 स्पये से बढ़ाकर 300 स्पये वाधिक की दर से जागीर मंजूर की गई श्री।

2. ब्रब श्री भाग सिंह को दिनांक 23 फरवरी, 1989 को हुई मृत्यु के परिणान स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री भाग सिंह की विधवा श्रीमित हरकौर के नाम खरीफ 1989 से खरीफ 1992 तक 300 रूपये वाषिक तथा रवी, 1993 से 1000 रूपये वाषिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।